भरोसा किसान का 1959 से...

उ0 प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0

43

वार्षिक सामान्य निकाय बैठक

स्मारिका

दृष्टि (Vision)

सहकारी क्षेत्र में दीर्घकालीन ऋण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाकर
कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों में पूंजी निर्माण एवं समग्र ग्रामीण विकास

"सहकार गांव के स्वावलंबन का भी बहुत बड़ा माध्यम है, और उसमें आत्मनिर्भर भारत की ऊर्जा है।"

मा. प्रधानमंत्री

"सहकारिता से ही जन कल्याण मुमकिन है और इसी से गरीबों का विकास संभव है।"

मा. केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

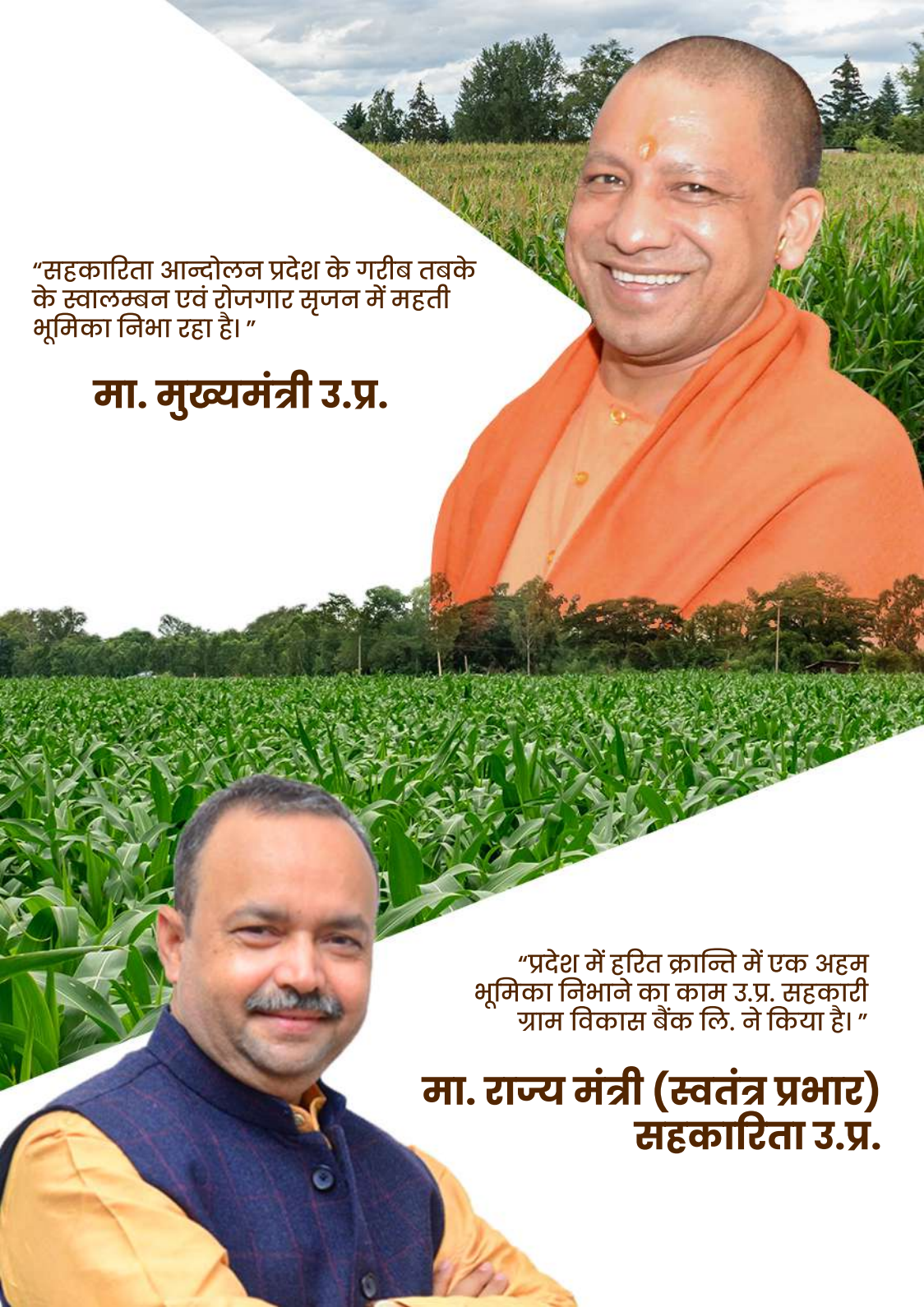

"सहकारिता आन्दोलन प्रदेश के गरीब तबके के स्वालम्बन एवं रोजगार सृजन में महती भूमिका निभा रहा है। "

मा. मुख्यमंत्री उ.प्र.

"प्रदेश में हरित क्रान्ति में एक अहम भूमिका निभाने का काम उ.प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक लि. ने किया है। "

मा. राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सहकारिता उ.प्र.

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

लोक भवन,
लखनऊ - 226001

संख्या-

15 MAR 2023

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0, लखनऊ द्वारा दिनांक 21 मार्च, 2023 को अपनी 43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक आयोजित की जा रही है।

प्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास में उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। लघु एवं सीमान्त कृषकों सहित ग्रामीण जनता को वित्तीय सेवाएं प्रदान करके यह बैंक सर्वांगीण ग्रामीण विकास तथा कृषकों की आय दोगुनी करने की सरकार की नीति को साकार करने में विशेष योगदान दे रहा है।

मुझे अवगत कराया गया है कि वित्तीय वर्ष 2022–23 में बैंक द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों को मात्र 03 से 06 प्रतिशत ब्याज पर दीर्घावधि ऋण एवं शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने हेतु 02 नवीन योजनाएं आरम्भ की गई हैं। बैंक द्वारा कृषकों को नई तकनीकी में प्रशिक्षित करने के साथ–साथ कृषि विविधीकरण हेतु जागरूक भी किया जा रहा है। बैंक द्वारा लगातार 03 वर्षों से लाभ की ओर अग्रसर होना अत्यन्त सराहनीय है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक भविष्य में भी अपनी विविध गतिविधियों के माध्यम से 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक के सफल आयोजन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(योगी आदित्यनाथ)

दूरभाष : 0522-2289017 / 2289010 / 2289167 फैक्स - 0522-2239234 ईमेल - cmup@nic.in

ब्रजेश पाठक
उप मुख्यमंत्री

कार्यालय कक्ष संख्या–99, 100, मुख्य भवन,
विधान सभा सचिवालय
दूरभाष– 0522–2238088/2213272 (का0)
लखनऊः दिनांक

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष की अनुभूति हो रही है कि उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक दिनांक 21 मार्च, 2023 को अपनी 43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक आयोजित कर रहा है। उत्तर प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास में उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह बैंक प्रदेश के किसानों को दीर्घकालीन ऋण की सुविधा प्रदान कर उनको आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर सहयोग प्रदान कर सहकारिता आन्दोलन को सफल बनाने का कार्य अनवरत रूप से विगत 64 वर्ष से कर रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत इस बैंक को राज्य प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में नामित किया जाना इस बैंक के लिए बड़े हर्ष का विषय है। बैंक लगातार प्रगति कर रहा है और निरन्तर लाभ अर्जित कर अपने सदस्यों को लाभांश वितरण कर रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह बैंक उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होते हुये प्रदेश के किसानों की आय को दोगुना करने में सहयोग एवं प्रदेश के विकास हेतु सदैव कार्य करता रहेगा तथा सहकार से समृद्धि के संकल्प को पूर्ण करेगा।

मैं बैंक की 43वीं सामान्य निकाय की बैठक के सफल आयोजन एवं प्रदेश के किसानों की उन्नति में महती भूमिका निभाने के लिए अपनी शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ।

(ब्रजेश पाठक)

जे.पी.एस.राठौर
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
सहकारिता विभाग
उत्तर प्रदेश

कक्ष सं०-60-61, मुख्य भवन, सचिवालय,
लखनऊ पिन-226001
फोन / फैक्स : 0522-2238080
ई-मेल : sahkaritamantriup@gmail.com

दिनाँक : 03-03-2023

शुभकामना संदेश

बहुत ही हर्ष का विषय है कि उ०प्र० सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0 अपनी 43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक दिनांक 21.03.2023 को आयोजित कर रहा है।

कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों में पूँजी निर्माण करने, कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने और कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने में दीर्घकालीन वित्त पोषण की अहम भूमिका है। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक गत 64 वर्षों से सहकारी शीर्ष संस्था के रूप में इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्रयासरत है।

वित्तीय वर्ष 2022–23 में पारम्परिक ऋण योजनाओं के साथ–साथ शासकीय गारंटी प्राप्त कर बैंक द्वारा NBCFDC & NSFDC के साथ MOU करके अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को न्यूनतम 3–6 प्रतिशत ब्याजदर पर दीर्घावधि एवं शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने हेतु नई पहल की है जो सराहनीय है। मुझे खुशी है कि अल्प अवधि में रू0 37.00 करोड़ का वितरण कर 8084 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। साथ ही बैंक द्वारा लगभग 01 लाख कृषकों को लाभांश (Dividend) वितरण किया जाएगा। बैंक के प्रशिक्षण केन्द्र का कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत राज्य प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में नामित होना गौरव की बात है। बैंक द्वारा कर्मिकों के दैनिक कार्यो एवं उपस्थिति के पर्यवेक्षण हेतु **EATA APP** लागू किया जाना एक नवीन व अच्छा प्रयास है।

मुझे पूरा भरोसा है कि माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने व माननीय मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी के गांव के अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सुविधा पहुँचाने की मुहिम को यह बैंक पूरा करेगा।

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि प्रबन्धतन्त्र के मार्गदर्शन में बैंक कर्मियों ने अपने अथक समर्पण और परिश्रम से बैंक की वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ किया है। इसी का परिणाम है कि बैंक के एन0पी0ए0 में लगातार कमी हुई हुई है तथा बैंक विगत 3 वर्षों से लाभ की ओर अग्रसर है। बैंक द्वारा 06 वर्ष के पश्चात लाभांश (Dividend) वितरण किया जाना अत्यन्त हर्ष की बात है। बैंक प्रबन्ध समिति सहित सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने कठिन परिश्रम कर इस वर्ष लाभ को और अधिक बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया है।

बैंक की 43वी वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक के सफल आयोजन की हार्दिक शुभकामनायें।

JPS Rathore
(जे.पी.एस.राठौर)

बी.एल. मीणा
आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव

अर्द्ध०शा०प०722/प्र०स०स०/2023
सहकारिता विभाग
10, नवीन भवन,
उ०प्र० सचिवालय
0522-2237965
0522-2213402
ईमेल : seccoopup@gmail.com

दिनाँक : 28 Feb. 2023

सन्देश

हर्ष का विषय है कि उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक दिनांक 21 मार्च 2023 को अपनी 43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक आयोजित कर रहा है। विगत 64 वर्ष से यह बैंक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले कृषकों को दीर्घकालीन ऋण की सुविधा उपलब्ध कराकर उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्तर को बेहतर करने का कार्य कर रहा है।

माह नवम्बर 22 से बैंक ने सरकार से शासकीय गारन्टी प्राप्तकर पिछड़े वर्ग एवं अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को एनबीसीएफडीसी एवं एनएसएफडीसी योजनान्तर्गत 3 से 6 प्रतिशत की दर पर ऋण उपलब्ध कराने की पहल की है। मुझे प्रसन्नता है कि कि इतनी अल्पावधि में बैंक द्वारा रू0 37.00 करोड़ का वितरण भी किया जा चुका है। बैंक द्वारा अपने सीमित संसाधनों से बैंक में वेब–पोर्टल एवं बैंक कार्मिकों के दैनिक कार्यो एवं उनकी उपस्थित के पर्यवेक्षण हेतु EATA APP स्थापित किया जाना अच्छा प्रयास है। प्रदेश सरकार द्वारा कौशल विकास मिशन के अन्तर्गत इस बैंक को राज्य प्रशिक्षण प्रदाता के रूप में नामित किया गया है, जो इस बैंक के लिए एक बडी उपलब्धि है।

विगत वर्षो बैंक कार्मिकों के सार्थक प्रयासों, अच्छी वसूली, अथक् परिश्रम एवं कुशल प्रबन्धन से बैंक के एन0पी0ए0 में लगातार कमी हो रही है तथा बैंक गत 03 वर्षो से लाभ की स्थिति में है एवं विगत 06 वर्षो के पश्चात पुनः अपने सदस्यों को लाभांश वितरण करने जा रहे है। जिसके लिए बैंक के समस्त कर्मचारी, अधिकारी एवं बैंक से जुड़े समस्त सम्मानित सदस्य बधाई के पात्र है।

दीर्घकालीन ऋण की कृषि के विकास एवं कृषकों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने में अहम भूमिका है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि बैंक उन्नित के मार्ग पर अग्रसर होते हुये प्रदेश के किसानों की आय को दोगुना करने में सहयोग एवं प्रदेश के विकास हेतु सदैव कार्य करता रहेगा। इसी कामना के साथ 43वीं सामान्य निकाय की बैठक आयोजित करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(बी0एल0मीणा)

नाबार्ड

शुभकामना संदेश

भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का अहम महत्व है तथा कृषि क्षेत्र में सहकारी बैंक ग्रामीण ऋण वितरण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहें हैं। विकास हेतु जिन तीन स्तंभों - ज्ञान, संगठन एवं वित्त की आवश्यकता होती है उसमें से वित्त प्रदान करने का दायित्व सार्वजनिक एवं गैर सार्वजनिक बैंक एवं वित्तीय संस्थानों पर है।

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक ने प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास में महती भूमिका निभाई है एवं इस सहकारी वित्तीय संस्था का स्वर्णिम युग रहा है। वर्तमान प्रबंध तंत्र अपनी वित्तीय स्थिति को सुदृढ़ करने का प्रयास कर रहा है जो सराहनीय है।

बैंक और नाबार्ड का ऐतिहासिक संबंध रहा है । नाबार्ड उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि॰ को दीर्घावधि ऋण संरचना का एक महत्वपूर्ण हितधारक मानता रहा है और अनेक वर्षों से पुनर्वित्त के माध्यम से सहायता प्रदान करता रहा है । भविष्य में भी नाबार्ड बैंक की हर सम्भव सहायता हेतु तत्पर है।

आशा है कि बैंक उत्तर प्रदेश में दीर्घावधि वित्त पोषण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाना जारी रखेगा।

43वी वार्षिक सभा हेतु हार्दिक शुभकामनाए सहित ||

संजय कुमार दोरा

(संजय कुमार दोरा)
मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक
National Bank for Agriculture and Rural Development
उत्तर प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय
11 विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ – 226010 • फोन : +91 522 2307630 • फैक्स: +91 522 2307631 • ईमेल : lucknow@nabard.org
Uttar Pradesh Regional Office :
11 Vipin Khand, Gomti Nagar, Lucknow - 226010 • Tel. : - 91 522 2307630 • Fax : +91 522 2307631 • Email : lucknow@nabard.org

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लि०

10, माल एवेन्यू, लखनऊ–226001

संतराज यादव
सभापति

दूरभाष कार्यालय–0522–2238849
फैक्स : 0522–2239806
नाहरपुर, गोरखपुर–09415356478, 9984607147
ई–मेल : santrajyadavbjp@gmail.com

अर्द्ध शा० पत्रांक : 60/स.कै./22-23 दिनांक : 03.03.23

संदेश

उ०प्र० सहकारी ग्राम विकास बैंक लि० के **दिनांक 21.03.2023** को आयोजित **"43वीं वार्षिक सामान्य निकाय"** की बैठक में सभी सम्मानित सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करता हूँ।

मुझे आप सबको यह अवगत कराते हुए हर्ष हो रहा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय सहकारिता मंत्री जी एवं प्रमुख सचिव, सहकारिता के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन से तथा हमारे सम्मानित प्रतिनिधिगण एवं बैंक के कर्मचारियों/अधिकारियों के सहयोग एवं अथक परिश्रम से बैंक गत् कई वर्षो से बाधित ऋण व्यवसाय को पुनः आरम्भ कर उन्नति की ओर अग्रसर है।

मुझे प्रसन्नता है कि प्रदेश के गरीब, कमजोर वर्ग, अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग के लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार न्यूनतम् ब्याज दर पर ऋण की सुविधा प्रदान कर, उनको समृद्धिशाली एवं सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। प्रबन्धन द्वारा प्रशासनिक सुधार हेतु बैंक कार्मिकों का **EATA APP** के माध्यम से पर्यवेक्षण कराया जा रहा है। बैंक ने गत् 03 वर्षों व अद्यतन रिकार्ड रू0 2000.00 करोड़ से अधिक नगद वसूली कर अप्रत्याशित रूप से सफलता प्राप्त की है, जिसके लिए मैं बैंक कर्मचारियों/अधिकारियों एवं सम्मानित सदस्यों को बधाई देता हूँ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सबके सहयोग एवं प्रयास से यह बैंक केन्द्र एवं राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप प्रदेश के कृषकों एवं ग्रामीण क्षेत्र के उत्तरोत्तर विकास में पूर्ण मनोयोग से अपना योगदान प्रदान करता रहेगा तथा पूर्व की भांति एक प्रतिष्ठित शीर्ष सहकारी संस्था के रूप में **उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक** अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा।

(संतराज यादव)

आर.के. कुलश्रेष्ठ
प्रबन्ध निदेशक

भरोसा किसान का 1959 से...

उ.प्र. सहकारी ग्राम विकास बैंक लि.
10, माल एवेन्यू, लखनऊ-226 001
दूरभाष नं. : 0522-2238844
ई-मेल : upsgvb@yahoo.in

अर्द्ध शा.पंत्राक : 780/प्र·नि·[illegible]/23
दिनांक : 10·03·2023

:: संदेश ::

वर्ष 1959 में अपनी स्थापना के बाद से विगत 64 वर्षो में उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में, विशेषकर लघु एवं सीमान्त कृषकों, युवाओं के लिए रोजगार तथा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए दीर्घकालीन ऋण सुविधा उपलब्ध कराकर उनके आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान में सार्थक भूमिका का निर्वहन किया है।

कृषि एवं ग्रामीण विकास क्षेत्र में पूँजी निर्माण, कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने की नितान्त आवश्यक है, जो कृषि में दीर्घकालीन ऋण के माध्यम से ही सम्भव है। यदि हम ऑकड़ों पर नजर डालें तो पाते हैं कि कृषि ऋण में दीर्घकालीन ऋण का हिस्सा भारत में 40.35% है, जबकि प्रदेश में 25% से कम है जो कि वर्ष 2007-08 में 34% था।

'आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश' के तहत राज्य को आत्मनिर्भर बनाने एवं कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र के विकास में बैंक की अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका है। एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने में दीर्घकालीन ऋण के माध्यम से ग्रामीण अवस्थापना सुविधाओं को सुदृढ़ एवं कृषि क्षेत्र में नवीनतम् तकनीक के प्रयोग की आवश्यकता होगी। बदलते परिदृश्य में उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक की भूमिका को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है जिसमें दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों के साथ संवाद करने, कृषि विविधीकरण के बारे में जागरूक करने, उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने हेतु मार्गदर्शन के साथ प्रदेश एवं केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त कराने में सहायक बनना भी शामिल है।

बैंक में संरचनात्मक एवं परिचालनात्मक सुधारों की भी आवश्यकता है ताकि स्वयं के संसाधनों को बढाने, एन.पी.ए. को नियंत्रित करने, ऋण स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल एवं व्यवहारिक बनाये जाने, कम्प्यूटरीकरण कराने एवं कार्मिकों को तकनीकी तौर पर दक्ष किया जाना आवश्यक है। मुझे यह बताते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि मा० सहकारिता मंत्री जी एवं मा० प्रमुख सचिव, सहकारिता के कुशल मार्गदर्शन में बैंक प्रबंधन द्वारा इस दिशा में प्रयास करना आरम्भ कर दिया है, शीघ्र ही सुखद एवं आशातीत परिणाम आएंगे। कृषि के आधुनिकीकरण एवं उन्नत प्रोद्यौगिकियों के लिए कृषि क्षेत्र में पूँजी निवेश की आवश्यकता तेजी से बढ़ रही है, इससे बैंक को दीर्घकालीन ऋण व्यवसाय के विविधीकरण का पर्याप्त अवसर है।

बैंक की 43वीं वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक के सुअवसर पर मैं नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ राजकीय लेखा-परीक्षा के अधिकारियों द्वारा बैंक को दिये गये अतुलनीय सहयोग व मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ।

साथ ही बैंक की प्रबंध कमेटी के सम्मानित संचालकगण, बैंक के समस्त वरिष्ठ अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा बैंक के व्यवसायिक क्रिया-कलापों की उतरोत्तर प्रगति हेतु किये जा रहे सार्थक प्रयासों की सराहना करते हुए आशा है कि हम सब मिलकर प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूत करने एवं "आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश" बनाने में बैंक की महत्वपूर्ण सहभागिता सुनिश्चित् करेंगे।

धन्यवाद !

(आर0के0 कुलश्रेष्ठ)
प्रबंध निदेशक

सक्सेस स्टोरी

नाम- श्री रंजय कुमार सिंह
उद्देश्य- डेयरी
धनराशि- 15.00 लाख
मासिक औसत आय - ₹67,000/-

नाम- श्री मनबोध चौहान
उद्देश्य- ट्रेक्टर
धनराशि- 6.75 लाख
मासिक औसत आय - ₹45,000/-

नाम- श्री रमेश कुमार
उद्देश्य- इंटरलॉकिंग ईट निर्माण
धनराशि- 8.00 लाख
मासिक औसत आय - ₹53,000/-

नाम- श्रीमती विद्यावती
उद्देश्य- ई-रिक्शा
धनराशि- 12.00 लाख
मासिक औसत आय - ₹60,000/-

उ0 प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक लि0

स्थापना	12 मार्च, 1959
कुल शाखाएं	323 - 50 ब्लॉक स्तर पर - 273 तहसील स्तर पर
कार्मिकों की संख्या	2572
कुल सदस्यता	14.82 लाख ग्रामीण परिवारों की सदस्यता।

उल्लेखनीय प्रगति

36.00 लाख
सिंचाई के साधन

2.50 लाख
ट्रैक्टर

7.00 लाख
डेयरी इकाइयां

60.49 लाख
किसानों को 14500.00 करोड़ का ऋण

बैंक द्वारा संचालित ऋण वितरण योजनाएं

क्र0 सं0	योजनाएं	पुनर्वित्त की ब्याजदर	वितरित ब्याज दर	अवधि	विवरण
01	सामान्य योजना (NABARD) द्वारा पुनर्वित्त	5.28% से 8.40%	11% से 11.50%	3 से 15 वर्ष	कृषि यंत्रीकरण, बागवानी, डेयरी, मुर्गी पालन, पशुपालन, लघु सिंचाई , मत्स्य पालन, भूमि विकास, SRTO, अकृषि क्षेत्र आदि।
02	NBCFDC राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम	1% से 3%	3.5% से 6%	5 से 15 वर्ष	शिक्षा ऋण, स्वर्णिम योजना, महिला अधिकारिता योजना, कृषि एवं कृषि सम्बद्ध, लघु उद्योग, सेवा क्षेत्र, **कृषि सम्पदा,** SRTO, आदि।
03	NSFDC राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम	1% से 3%	3.5% से 6%	5 से 10 वर्ष	

ऋण पोर्टफोलियो

योजनावार ऋण वितरण प्रगति

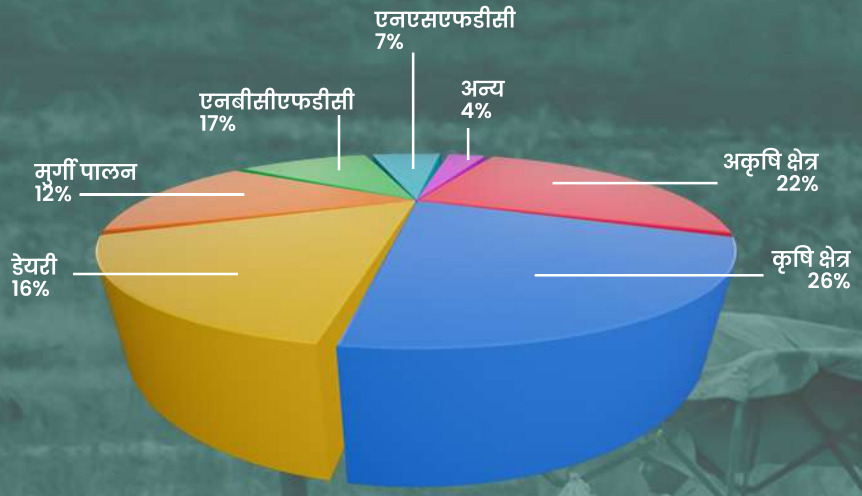

फोटो गैलरी

वित्तीय स्थिति

(धनराशि करोड़ में)

विवरण	31/3/2021	31/03/2022	31/03/2023 (अनुमानित)
अंश पूंजी	274.14	276.30	280.00
रक्षित एवं अन्य निधियां	261.72	265.89	270.00
निजी पूंजी	535.86	542.19	550.00
बारोइंग्स	861.35	910.68	850.00
कुल लगा हुआ ऋण	2563.38	2590.29	2620.00
सकल एनपीए %	96.46	85.83	70.00
सीआरएआर %	31.92	33.62	34.00
शुद्ध लाभ	23.23	4.91	50.00

ऋण वितरण, वसूली एवं एकमुश्त समाधान योजना प्रगति

(धनराशि करोड़ में)

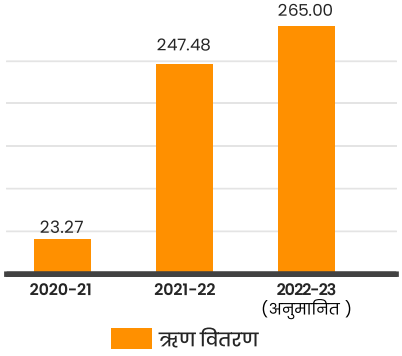

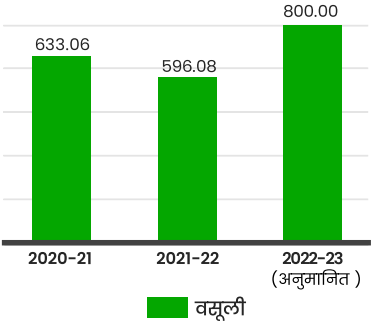

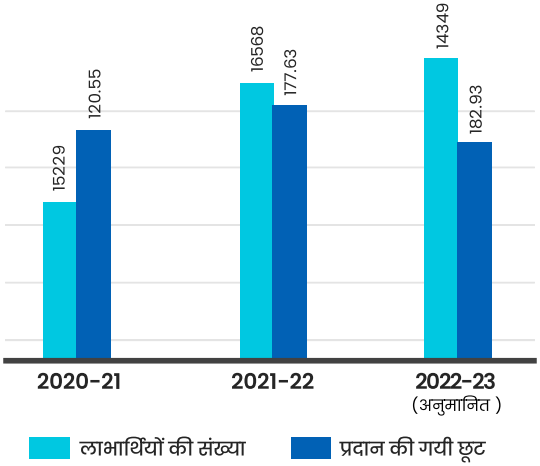

- माह सितंबर 2022 में सर्वाधिक 180 करोड़ की रिकॉर्ड वसूली की गयी।
- 1 दिन में (30/9/2022) सर्वाधिक 18.50 करोड़ की नगद वसूली का रिकॉर्ड स्थापित किया।
- गत वर्ष से नकद वसूली में 39 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- ओटीएस योजना अन्तर्गत विभिन्न चरणों में कुल 1 लाख से अधिक लाभार्थियों को बैंक के स्वयं के संसाधन से लगभग रु 1000 करोड़ की ब्याज में छूट दी गई।।

वित्तीय स्थिति की एक झलक

(धनराशि करोड़ में)

(कुल शाखाएं 323)

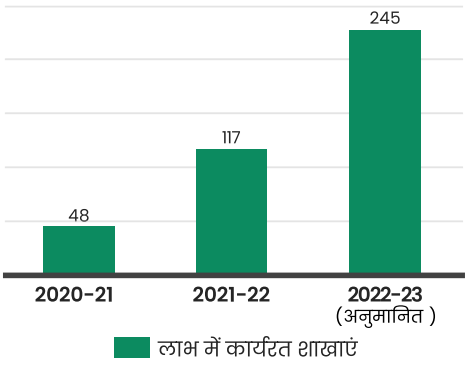

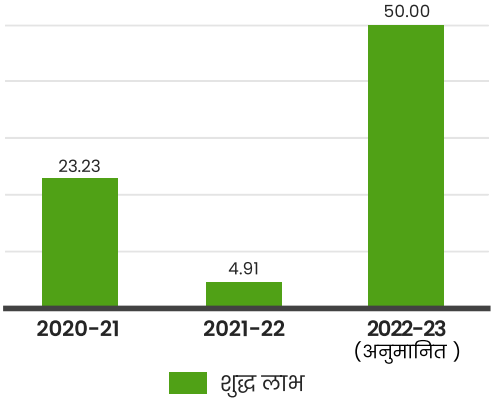

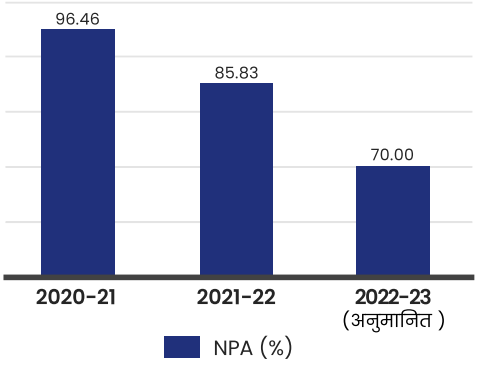

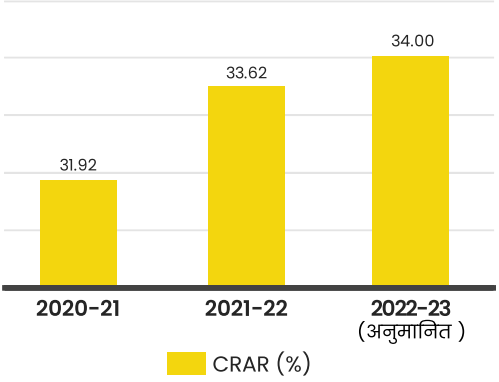

वित्तीय वर्ष 2022-23 में एन0पी0ए0 धनराशि में रू0 300 करोड़ की कमी।

नई पहल

- एनबीसीएफडीसी और एनएसएफडीसी योजनान्तर्गत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित वर्ग के पात्र कृषकों को रोजगार सृजन एवं शिक्षा हेतु न्यूनतम ब्याज दर (3.5-6.0%) पर ऋण उपलब्ध कराने हेतु माह नवम्बर 2022, में रू0 100.00-100.00 करोड़ की शासकीय गारण्टी प्राप्त कर MOU हस्ताक्षरित किया गया। माह नवम्बर 2022 से उक्त योजनाओं के अन्तर्गत 2,000 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए रू0 4000.00 लाख का ऋण वितरण।

- उ0प्र0 कौशल विकास मिशन द्वारा बैंक प्रशिक्षण केन्द्र दिनांक 16.11.2022 को राजकीय प्रशिक्षण प्रदाता (STP) के रूप में नामित। बैंक कृषि उद्यमियो को शासकीय बजट से प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे कृषि उद्यमियो को रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे।

- भारत सरकार द्वारा अनुमन्य योजनान्तर्गत राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के माध्यम से बैंक का कम्प्यूटराइजेशन कराया जाना प्रस्तावित।

- भारत सरकार की पहल पर NABCONS द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंकों में सुधार एवं पुनर्गठन हेतु अध्ययन का कार्य प्रक्रियाधीन है।

- बैंक द्वारा स्वयं के संसाधनों से आधुनिक तकनीक का प्रयोग कर EATA (EMPLOYEE ATTENDANCE & TRACKING APP), LTMS (LETTER TRACKING MANAGEMENT SYSTEM) एवं दैनिक सूचना पोर्टल की व्यवस्था लागू की गयी।

भावी योजनाएं

- बैंक की सभी शाखाओं का कम्प्यूटरीकरण।
- ऋण वितरण प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाना।
- गोल्ड लोन योजना।
- एनएसकेएफडीसी (नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के अन्तर्गत प्रदेश के सफाई कर्मचारियों को न्यूनतम ब्याज दर पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराना।
- ऋण विविधिकरण हेतु नई योजनाऐं जैसे खाद्य प्रसंस्करण, फूलों की खेती, एवं वेतनभोगी कर्मचारियों हेतु व्यक्तिगत एवं उपभोक्ता ऋण प्रारम्भ करना।
- दीर्घकालीन ऋण के साथ-साथ अल्पकालीन ऋण वितरण प्रारंभ करना।
- प्रदेश में कृषि जोत छोटी होने के कारण दीर्घकालीन ऋण को व्यवहारिक बनाने हेतु एफपीओ एवं ज्वाइंट लायबिलिटी समूहों को ऋण वितरण करने की दिशा में कार्य करना।
- कृषि विस्तार सेवा (Extension Services) के अंतर्गत किसानों को जागरूकता एवं तकनीकी सहायता प्रदान कर कृषकों की क्षमता का विकास करना।
- सदस्यों से सावधि निक्षेप (F.D.) प्राप्त कर आंतरिक संसाधनों को बढ़ाना।

फोटो गैलरी

स्वागतम्

OF ARDBs 2022
SHRI AMIT SHAH

आयुक्त एवं निबन्धक

नेशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन
(भारत सरकार का उपक्रम)
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
भारत सरकार

संचालक मण्डल

श्री संतराज यादव
सभापति

श्री के0पी0 मलिक
उपसभापति

श्री एस0के0 डोरा
मुख्य महा.प्र. नाबार्ड

श्री आर0के0 कुलश्रेष्ठ
प्रबन्ध निदेशक

श्री बम्बा लाल
सदस्य

श्री रविन्द्र सिंह राठौर
सदस्य

श्री रामपलट
सदस्य

श्री राम शरण
सदस्य

श्री जमुना प्रसाद
सदस्य

श्रीमती सत्यवती
सदस्य

श्री इन्द्रपाल
सदस्य

श्री एम0के0धनौरिया
सदस्य

श्री संदीप भदौरिया
सदस्य

श्री सुधीर सिंह
सदस्य

डॉ0 अंजना श्रीवास्तव
सदस्य

श्री मुक्तेश्वर सिंह
सदस्य

भरोसा किसान का
1959 से...

प्रधान कार्यालय : 10 , मॉल एवेन्यू , लखनऊ

upsgvb@yahoo.in 0522 2238844

www.upsgvb.in